माले महादेश्वर हल्लि वन्यजीव अभयारण्य

[स्रोत: टाइम्स ऑफ इंडिया]

कर्नाटक के **माले महादेवेश्वरा हल्लि (MM हल्लि) वन्यजीव अभयारण्य** में एक **बाघनि और उसके चार शावकों** की मृत्यु हो गई, जिनको **ज़हर** देने की आशंका जताई जा रही है। यह घटना **मानव–वन्यजीव संघर्ष** के बढ़ते मामलों के बीच सामने आई है।

माले महादेश्वर हल्लि वन्यजीव अभयारण्य

- **परिचय:** यह अभयारण्य **कर्नाटक के दक्षिण–पूर्वी** भाग में, **चामराजनगर ज़िले में तमिलनाडु सीमा** के निकट स्थित है और वर्ष **2013** में इसे **वन्यजीव अभयारण्य** **घोषित** किया गया था।
  - इसकी **स्थलाकृति** मुख्यतः **शुष्क पर्णपाती वनों** से बनी है, जिसमें विभिन्न ऊँचाइयों पर **आर्द्र पर्णपाती, अर्द्ध-सदाबहार, सदाबहार** तथा **शोला वनों** के छोटे-छोटे हिस्से भी पाए जाते हैं।
- **पारिस्थितिक महत्त्व:** यह क्षेत्र **कर्नाटक** में **बिलिगिरि रंगनाथस्वामी मंदिर (BRT) टाइगर रिज़र्व** और **कावेरी वन्यजीव अभयारण्य** तथा **तमिलनाडु में सत्यमंगलम टाइगर रिज़र्व** के **निकट** है, जिससे यह दोनों राज्यों के बीच एक महत्त्वपूर्ण **बाघ गलियारे** का निर्माण करता है।
  - यह क्षेत्र **बाघों, तेंदुओं, हाथियों** सहित शिकार प्रजातियों की समृद्ध आबादी का आवास है।
- **टाइगर रिज़र्व का दर्जा: MM हल्लि को टाइगर रिज़र्व में अपग्रेड करने का प्रस्ताव** लगभग **15 वर्षों** से **लंबित** है। यदि इसे स्वीकृति मिलती है, तो **चामराजनगर भारत का पहला ज़िला** बन जाएगा जहाँ **तीन टाइगर रिज़र्व- बांदीपुर, BRT और MM हल्लि** स्थित होंगे।
  - **मध्य प्रदेश (785 बाघ)** के बाद **कर्नाटक** में **भारत** की **दूसरी सबसे बड़ी** बाघ आबादी **(563 बाघ)** है।
- **मानव बस्तियाँ:** यह क्षेत्र दो प्रमुख समुदायों का आवास है-**सोलिगा**, जो मूल रूप से **शिकारी-संग्राहक** रहे हैं और **लिंगायत**, जो **मैसूर से आए मंदिर के पुजारी** हैं तथा **मंदिर प्रबंधन** से जुड़े हुए हैं।

बाघ

रॉयल बंगाल टाइगर (*Panthera Tigris*) भारत का राष्ट्रीय पशु है।

बाघ की उप प्रजातियाँ

* महाद्वीपीय (पैंथेरा टाइग्रिस टाइग्रिस)
* सुंडा (पैंथेरा टाइग्रिस सोंडाइका)

प्राकृतिक अधिवास

उष्णकटिबंधीय वर्षावन, सदाबहार वन, समशीतोष्ण वन, मैंग्रोव दलदल, घास के मैदान और सवाना

देश जहाँ बाघ पाए जाते हैं

- 13 बाघ रेंज देश जहाँ यह प्राकृतिक रूप से पाए जाते हैं उनमें- भारत, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, म्याँमार, रूस, चीन, थाईलैंड, मलेशिया, इंडोनेशिया, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम शामिल हैं।
- IUCN की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम में बाघ विलुप्त हो गए हैं।

संरक्षण की स्थिति

- IUCN रेड लिस्ट: लुप्तप्राय
- CITES : परिशिष्ट-I
- WPA 1972 : अनुसूची-I

खतरे

- आवास विखंडन
- अवैध शिकार
- मानव-वन्यजीव संघर्ष

संरक्षण संबंधी प्रयास

- इंटरनेशनल बिग कैट्स एलायंस (IBCA): बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, चीता, जैगुआर और प्यूमा नामक सात बड़ी बिल्लियों के संरक्षण के लिये (भारत द्वारा शुरू)
- Tx2 अभियान: WWF द्वारा आरंभ किया गया; 2022 तक बाघों की आबादी को दोगुना करने के लक्ष्य को इंगित करते हुए 'टाइगर टाइम्स 2' को संदर्भित करता था
- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA): WPA, 1972 के तहत गठित
- प्रोजेक्ट टाइगर : 1973 में लॉन्च किया गया
- बाघों की गणना : प्रत्येक 5 वर्ष में

भारत में बाघ

- भारत में इनकी संख्या सबसे अधिक है
  - वर्ष 2022 तक, भारत में बाघों की संख्या 3167 थी
  - मध्य भारतीय उच्च भूमि और पूर्वी घाट में इनकी सबसे बड़ी आबादी पाई गई है
- टाइगर रिजर्व: भारत में अब 53 टाइगर रिज़र्व हैं
  - नवीनतम टाइगर रिज़र्व उत्तर प्रदेश का रानीपुर है
  - नागार्जुन सागर (आंध्र प्रदेश) सबसे बड़ा टाइगर रिज़र्व है जबकि ओरंग (असम) सबसे छोटा (कोर क्षेत्र) है।

Drishti IAS

और पढ़ें: मानव-पशु संघर्ष

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/male-mahadeshwara-hills-wildlife-sanctuary